बनवीर ने दीपदान उत्सव का आयोजन किया। उसने सोचा प्रजाजन दीपदान उत्सव के नाचगाने में मग्न होगे तब कुँवर उदय सिंह को मारकर वह सत्ता हासिल कर सकता है। तभी किसी ने पन्ना को यह खबर दी और पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

Scanned with CamScanner

हत्या हो तो मेरे राजासिंहासन का साढ़ा होगा।

प्रस्तुत एकांकी का सार लिखिए।

उत्तर:

महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा।

Scanned with CamScanner

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

दूर हट दासी। यह नाटक बहुत देख चुका हूँ। उदयसिंह की हत्या ही तो मेरे राजसिंहासन की सीढ़ी होगी।

पन्ना ने क्या बलिदान दिया?

उत्तर:

पन्ना ने कुँवर को कीरत के जूठे पत्तलों के टोकरे में सुलाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया। उसके बाद कुँवर के स्थान पर अपने पुत्र चंदन को सुला दिया और उसका मुँह कपड़े से ढँक दिया। जब बलवीर कुँवर को मारने आया उसने चंदन को कुँवर समझकर मार डाला। इस प्रकार पन्ना ने देशधर्म के लिए अपनी ममता की बलि चढ़ा दी।

Scanned with CamScanner

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

'तुम कभी रात में अकेले नहीं जाओगे। चारों तरफ़ जहरीले सर्प घूम रहे हैं। किसी समय भी तुम्हें डस सकते हैं।'

वक्ता श्रोता की सुरक्षा के प्रति चिंतित क्यों रहती थी?

उत्तर:

वक्ता पन्ना धाय एक देशभक्त राजपूतनी थी तथा अपने राजा के उत्तराधिकारी की रक्षा करना वह परम कर्तव्य समझती थी। महाराणा साँगा की मृत्यु के बाद उनका पुत्र राज सिंहासन का उत्तराधिकारी था परंतु उनकी आयु मात्र 14 वर्ष होने के कारण महाराणा साँगा के भाई पृथ्वीराज के दासी पुत्र बनवीर को राज्य की देखभाल के लिए नियुक्त किया गया। धीरे-धीरे वह राज्य हड़पने की योजना बनाने लगा। इसलिए पन्ना धाय कुँवर उदय सिंह की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहती थी।

Scanned with CamScanner

मारकर मेवाड़ के राज्य को प्राप्त करना चाहता था। उसे राजा विक्रमादित्य का कत्ल कर दिया तथा एकांकी कार ने पन्नाधाय के त्याग को सर्वोच्च त्याग बताया है। उन्होंने उदय सिंह को बचाने के लिए अपने पुत्र चंदन को बलिदान कर दिया। पन्नाधाय की देशभक्ति का प्रदर्शित करना किसी काम की कार का प्रमुख उद्देश्य था। यदि पढ़ना अपने पुत्र का बलिदान नहीं देती तो मेवाड़ के उत्तराधिकारी उदय सिंह का वध हो जाता और क्रूर अन्याय और अत्याचार ई बनवीर मेवाड़ का राजा बन जाता।पन्ना की दूरदर्शिता का भी उल्लेख किया गया है

Scanned with CamScanner

दीपदान एकांकी का उद्देश्य । इस एकांकी का उद्देश्य पन्ना धाय का त्याग समर्पण पुत्र के बलिदान स्वदेश प्रेम को बताना है। बनवीर उदय सिंह को मारकर मेवाड़ के राज्य को प्राप्त करना चाहता था। उसे राजा विक्रमादित्य का कत्ल कर दिया तथा एकांकी कार ने पन्नाधाय के त्याग को सर्वोच्च त्याग बताया है। उन्होंने उदय सिंह को बचाने के लिए अपने पुत्र चंदन को बलिदान कर दिया। पन्नाधाय की देशभक्ति का प्रदर्शित करना किसी काम की कार का प्रमुख उद्देश्य था।

Scanned with CamScanner